



Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow, **Awadh Incubation Foundation**, successfully organized a workshop titled "**Building the Future: Empowering Student Entrepreneurs**" on April 23, 2025. The event brought together aspiring student innovators and seasoned industry professionals to foster entrepreneurial thinking and innovation among the youth.

The first session was taken by **Dr. Amit Sinha**, carrying forward the **CM Yuva Mission**, aimed at empowering the youth of Uttar Pradesh. The keynote session was delivered by **Mr. Nripen Bhatt**, South-East Asia Head of Raft and Rivers LLC, who shared valuable insights on global trends in entrepreneurship, the importance of resilience, and the power of innovation in shaping future-ready business.



leaders.



Dr. Syed Haider Ali, Convener of the workshop and Vice President of Awadh Incubation Foundation, emphasized the significance of creating a supportive ecosystem for student-led startups. He reiterated the Foundation's commitment to nurturing young minds and facilitating practical learning experiences through such initiatives.

The event also marked the celebration **Ambedkar Week**, commemorating the values of social justice, education, and empowerment as championed by Dr. B.R. Ambedkar.



The workshop witnessed enthusiastic participation from students across disciplines, engaging in discussions, interactive sessions, and mentorship opportunities that will aid them in translating their ideas into actionable ventures.

The university and the Awadh Incubation Foundation reaffirm their dedication to fostering innovation, entrepreneurship, and inclusive growth, paving the way for a more dynamic and

self-reliant youth.



Dr. Doa Naqvi honored the guests with certificates of appreciation, and vote of thanks.

‘युवाओं को बनाया जा रहा सशक्त’

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ आयोजन किया गया। जिसका विषय भविष्य का निर्माण जिसमें छात्र उद्यमियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर नवाचार के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्र एवं उद्योग जगत के अनुभवी विशेषज्ञों ने भाग लेकर युवाओं में उद्यमशीलता की सोच और नवाचार को प्रोत्साहित किया।

यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. पांडेय के संरक्षण में आयोजित की गई, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व में विश्वविद्यालय निरंतर शैक्षणिक व उद्यमशील पहलों में अग्रसर है। कार्यशाला का पहला सत्र डॉ. अमित सिन्हा द्वारा संचालित किया गया, जिसमें उन्होंने सीएम युवा मिशन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। मुख्य वक्ता के रूप में राफ्ट एंड रिवर्स एलएलसी (दक्षिण-पूर्व एशिया) के



■ भाषा विवि में हुआ कार्यशाला का आयोजन

प्रमुख नृपेन भट्ट ने वैश्विक उद्यमशीलता के रुझानों, नवाचार की शक्ति और धैर्य के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला के संयोजक एवं अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ. सैयद हैदर अली ने छात्र आधारित स्टार्टअप्स के लिए सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने युवाओं को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने हेतु ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता की प्रतिबद्धता जताई। इस आयोजन के साथ विश्वविद्यालय में अंबेडकर सप्ताह का भी आयोजन किया गया,

जिसमें बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रचारित सामाजिक न्याय, शिक्षा एवं सशक्तिकरण के मूल्यों को स्मरण किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विषयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विचार-विमर्श, संवादात्मक सत्रों एवं मेंटरशिप कार्यक्रमों के माध्यम से अपने विचारों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किए। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय एवं अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन नवाचार, उद्यमिता और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं, जिससे आत्मनिर्भर एवं सशक्त युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके।

उद्यमशीलता की सोच को प्रोत्साहित किया

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय व अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन की ओर से भविष्य का निर्माण पर आयोजित कार्यशाला में छात्र उद्यमियों को सशक्त बनाने पर बल दिया गया। यहां उद्योग जगत के अनुभवी विशेषज्ञों ने युवाओं में उद्यमशीलता की सोच और नवाचार को प्रोत्साहित किया। पहले सत्र में डॉ. अमित सिन्हा ने सीएम युवा मिशन से यूपी के युवाओं को सशक्त बनाने के प्रयासों की जानकारी दी।

ज

तिजारत

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

भाषा विवि में हुआ कार्यशाला का आयोजन

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्त्वधान में हुआ आयोजन किया गया। जिसका विषय भविष्य का निर्माण जिसमें छात्र उद्यमियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर नवाचार के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्र एवं उद्योग जगत के अनुभवी विशेषज्ञों ने भाग लेकर युवाओं में उद्यमशीलता की सोच और नवाचार को प्रोत्साहित किया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. जे.पी. पांडेय के संरक्षण में आयोजित की गई, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व में विश्वविद्यालय निरंतर शैक्षणिक व उद्यमशील पहलों में अग्रसर है। कार्यशाला का पहला सत्र डॉ. अमित सिन्हा द्वारा संवाहित किया गया, जिसमें उन्होंने 'सीएम युवा मिशन' के माध्यम से उत्तर प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। मुख्य वक्ता के रूप में व्हाट्सएप एंड स्विस् एलएलसी (दक्षिण-पूर्व एशिया) के प्रमुख श्री नूपेन भट्ट ने वैश्विक उद्यमशीलता के रणनीति नवाचार की शक्ति और धैर्य के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के संयोजक एवं अवध



इनक्यूबेशन फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ. सैयद हैदर अली ने छात्र आधारित स्टार्टअप्स के लिए सहयोगी परिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने युवाओं को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने हेतु ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता की प्रतिबद्धता जताई। इस आयोजन के साथ विश्वविद्यालय में 'अंबेडकर सप्ताह' का भी आयोजन किया गया, जिसमें वाचासहचर डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रचारित सामाजिक न्याय, शिक्षा एवं सशक्तिकरण के मूल्यों को

स्मरण किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विषयों के छात्रों ने उत्कृष्टपूर्वक भाग लिया और विचार-विमर्श, संवादात्मक सत्रों एवं मॉडरेशन कार्यक्रमों के माध्यम से अपने विचारों को साझा करने की दिशा में महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किए। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय एवं अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन नवाचार, उद्यमिता और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं, जिससे आपत्तिभर एवं सशक्त युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके।

ہندوستان کے روشن مستقبل کی تعمیر طلبہ کو با اختیار بنانے میں مضمر: ڈاکٹر امت سنبھا

لینگویج یونیورسٹی میں ایک روزہ ورکشاپ کا انعقاد

کی طاقت کے بارے میں تفصیل کے ساتھ لنگویج یونیورسٹی کے متعلق اپنے ذاتی تجربوں کو بیان کرتے ہوئے کہا کہ تجارت اور صنعت کے لئے خواب دیکھنا ضروری ہے پھر اس خواب کی تعمیر کے حصول کے لئے مناسب لائحہ عمل اور ایمان ارادہ محنت کی ضرورت ہے۔ انٹرپرائیڈرشپ اور نئی تعلیمی پالیسی کے باہمی تعلق کی وضاحت کرتے ہوئے کہا کہ ایک کامیاب کاروباری شخص میں ذہنی اختراع اور تخلیقی صلاحیتوں جیسی خصوصیات ہونی چاہئیں کیونکہ نئی تعلیمی پالیسی ان نکات کو مرکز میں ہی رکھ کر تشکیل دی گئی ہے اس کے ساتھ ہی امیدوار ہفتہ کی مناسبت سے آئین میں دیتے ہوئے سماجی انصاف، تعلیم اور با اختیار بنانے کے اقدار کو یاد کرتے ہوئے خراج تحسین پیش کیا گیا اور ان کو یاد کیا گیا۔ دوسرے سیشن کے انعقاد کے بعد محفل شہبوش کے طلبہ نے سوالات کئے اور مہمان مقررین نے ان کے شکوک و شبہات کو دور کرتے ہوئے کئی بخش جوابات دیئے۔



طلبہ کو فراہم کیے اور کہا کہ طلبہ کو ان اکیٹوں سے فائدہ اٹھانے کی ضرورت ہے۔ اس کے ساتھ انہوں نے انٹارٹ اپ کی نوعیت، آئیڈیا اور انٹارٹ اپ کی کامیابی کے بارے میں گلیڈی ٹکسٹ کی نشاندہی کی۔ دوسرے سیشن میں رافٹ اینڈ رورس ایل ایل سی مشن کی ایٹھا کے اہم رکن نے سنجین بھٹ نے طلبہ کو انٹرپرائیڈرشپ میں عالمی رجحانات، اس کی اہمیت، اور مستقبل کے لیے تیار کاروباری رہنماؤں کی تشکیل میں بہت

میں کہا کہ سوبانی حکومت کی تمام پالیسیوں کی تشکیل میں نوجوانوں کو خود انحصار اور با اختیار بنانے کے پھلوں کو گلیڈی ٹکسٹ دی جا رہی ہے تاکہ معاشرے میں خود انحصاریت اور خود کیفیت کے جذبے کو فروغ دیا جاسکے تاکہ نوجوان طلبہ کو روزگار کے بہتر مواقع فراہم کرنے میں مدد مل سکے۔ انہوں نے حکومت ہند کی طرف سے چلائی جا رہی انٹرپرائیڈرشپ سے متعلق اکیٹوں کے بارے میں مکمل معلومات



نے کہا کہ اس کے ذریعے نئی نسل کے اندر میں کاروباری سوچ اور اختراع کو فروغ دینا ہے تاکہ نئی نسل کے طلبہ کے اندر صرف کاروباری صلاحیتوں کو بھلائے گی بلکہ خود انحصاری کے لئے عملی کوششوں کو بھیج کرنا ہے اور انٹارٹ اپ کے لئے ایک معاون ماحول پیدا کرنا بھی ہے۔ اس ورکشاپ کے پہلے سیشن میں ایم یو ایم یو ایم کے انچارج ڈائریکٹر امت سنبھا نے اپنی صدارتی تقریر

الحیات نیوز سروس
لکھنؤ: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے اہل ہال میں وائس چانسلر پروفیسر جے بی پانڈے کی رہنمائی میں اودھ اکیڈمیشن فاؤنڈیشن کی جانب سے "مستقبل کی تعمیر اور طلبہ کو با اختیار بنانا" کے عنوان سے ایک روزہ ورکشاپ کا انعقاد کیا گیا۔ اس اہم ورکشاپ کے مقصد پر روشنی ڈالتے ہوئے اودھ اکیڈمیشن فاؤنڈیشن کے ڈائریکٹر پروفیسر حیدر علی

ہندوستان کے روشن مستقبل کی تعمیر طلبہ کو با اختیار بنانے میں مضمر: ڈاکٹر امت سنبھا

لینگویج یونیورسٹی میں ایک روزہ ورکشاپ کا انعقاد



کامیاب کاروباری شخص میں ذہنی اختراع اور تخلیقی صلاحیتوں جیسی خصوصیات ہونی چاہئیں کیونکہ نئی تعلیمی پالیسی ان نکات کو مرکز میں ہی رکھ کر تشکیل دی گئی ہے اس کے ساتھ ہی امیدوار ہفتہ کی مناسبت سے آئین میں دیتے ہوئے سماجی انصاف، تعلیم اور با اختیار بنانے کے اقدار کو یاد کرتے ہوئے خراج تحسین پیش کیا گیا اور ان کو یاد کیا گیا۔ دوسرے سیشن کے انعقاد کے بعد محفل شہبوش کے طلبہ نے سوالات کئے اور مہمان مقررین نے ان کے شکوک و شبہات کو دور کرتے ہوئے کئی بخش جوابات دیئے۔

میں کہا کہ سوبانی حکومت کی تمام پالیسیوں کی تشکیل میں نوجوانوں کو خود انحصار اور با اختیار بنانے کے پھلوں کو گلیڈی ٹکسٹ دی جا رہی ہے تاکہ معاشرے میں خود انحصاریت اور خود کیفیت کے جذبے کو فروغ دیا جاسکے تاکہ نوجوان طلبہ کو روزگار کے بہتر مواقع فراہم کرنے میں مدد مل سکے۔ انہوں نے حکومت ہند کی طرف سے چلائی جا رہی انٹرپرائیڈرشپ سے متعلق اکیٹوں کے بارے میں مکمل معلومات

لکھنؤ

2025

خواجہ معین

اللغات

یونیورسٹی

کے

اہل

ہال

میں

وائس

چانسلر

پروفیسر

جے

بی

پانڈے

کی

رہنمائی

میں

اودھ

اکیڈمیشن

فاؤنڈیشن

کی

جانب

سے

"مستقبل

کی

تعمیر

اور

طلبہ

کو

با

اختیار

بنانا

میں

مضمر

:ڈاکٹر

امت

سنبھا

